



Suraj



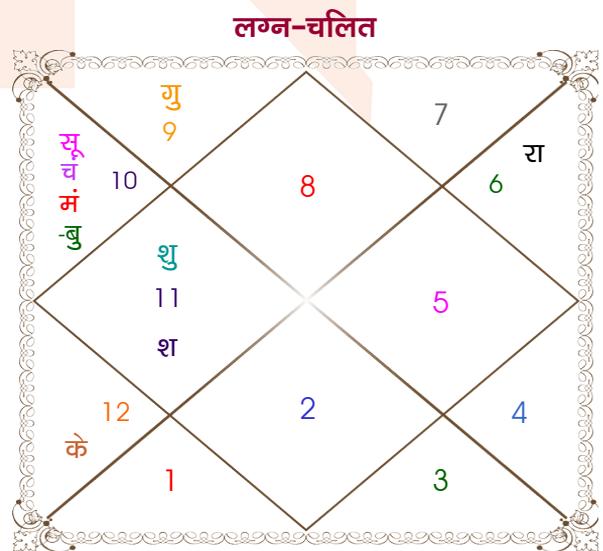
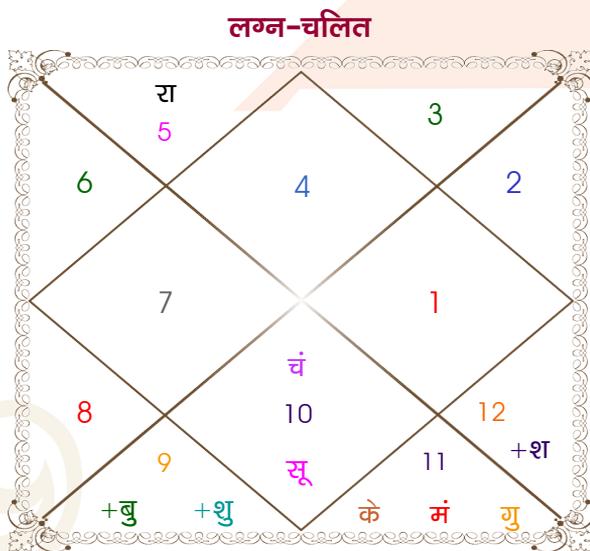
Yachana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120953216

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 28/01/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 20-21/01/1996
 बुधवार : _____ दिन _____ : शनि-रविवार
 घंटे 17:20:00 : _____ जन्म समय _____ : 03:42:00 घंटे
 घटी 25:08:30 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 50:55:44 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Kaithal : _____ स्थान _____ : Saharanpur
 29:47:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 29:58:00 उत्तर
 76:29:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:33:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:24:04 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:16:36 : _____ सूर्योदय _____ : 07:15:48
 17:56:49 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:45:42
 23:49:45 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:15

विंशोत्तरी चन्द्र 4वर्ष 1मा 30दि राहु 30/03/2009 30/03/2027	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 6मा 28दि राहु 20/08/2011 19/08/2029
राहु	11/12/2011	07:24:42	कर्क	लग्न	वृश्चि 14:46:07	राहु
गुरु	06/05/2014	14:31:25	मक	सूर्य	मक 06:20:13	गुरु
शनि	12/03/2017	17:46:41	मक	चंद्र	मक 11:53:45	शनि
बुध	29/09/2019	08:36:57	कुंभ	मंगल	मक 15:59:35	बुध
केतु	16/10/2020	28:15:29	धनु	बुध व	मक 01:40:04	केतु
शुक्र	17/10/2023	04:31:58	कुंभ	गुरु	धनु 10:06:23	शुक्र
सूर्य	10/09/2024	26:04:45	धनु व	शुक्र	कुंभ 13:10:30	सूर्य
चन्द्र	12/03/2026	21:20:46	मीन	शनि	कुंभ 27:11:58	चन्द्र
मंगल	30/03/2027	16:57:28	सिंह व	राहु व	कन्या 27:01:12	मंगल
		16:57:28	कुंभ व	केतु व	मीन 27:01:12	
		14:51:18	मक	हर्ष	मक 06:42:10	
		06:08:50	मक	नेप	मक 01:37:33	
		13:44:12	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि 08:43:49	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Suraj का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Yachana का नक्षत्र श्रवण है।

Suraj का वर्ग मार्जार है तथा Yachana का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suraj और Yachana का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Suraj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Suraj कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Suraj कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Yachana मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता ।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि राहु Yachana कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

Suraj तथा Yachana में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।